an>

Title: Issue regarding violation of human rights by police in the country.

श्री भगवंत मान (संगरूर): माननीय अध्यक्ष जी, बहुत ही गंभीर विषय है। देश में पुलिस मानव अधिकारों का कैसे हनन करती है, इसकी घटनाएं बढ़ रही हैं और हर रोज यह बात प्रकाश में आती है कि कैसे थानों में लोगों को गैर-कानूनी तरीके से रखा जाता है। पिछले दिनों आउटलुक मैगजीन के फ्रन्ट पेज पर...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आउटलुक का नहीं बताओगे। ऑथेंटिकेट करना होता है। गड़बड़ होती है।

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान : मैडम, मैगजीन के फ्रन्ट पेज पर वरिष्ठ पत्रकार ...(व्यवधान) कमरसंधु जी ने एक इंटरव्यू दिया था। ...(व्यवधान) दिल दहला देने वाली बात है। एक पुलिस का इंफॉर्मर था, जो पुलिस में इंस्पेक्टर था। उसने यह दिल दहला देने वाला खुलासा किया है।...(व्यवधान) उसने कहा है कि पचास मामलों में तो मैं खुद चश्मदीद गवाह हूं कि जिन लड़कों को फर्जी मुकाबलों में मारा गया। साइनाइड देकर गोलियों से मारा गया। हजारों लड़कों का वह गवाह है, वे पुलिस अधिकारी अभी भी बड़े बड़े पदों पर हैं। उस समय दोनों पार्टियों की सरकारें थीं, जब ये फर्जी मुकाबले हुए। यह बहुत बड़ा खुलासा हुआ है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि नेशनल ज्यूडीशियल कमिशन बनाया जाए। उन अधिकारियों को तुरंत डिसमिस किया जाए और उन पर मुकदमे चलाए जाएं। पंजाब पुलिस में डीएसपी या दूसरे पदों पर जाने के लिए रिश्वत दी जाती है। इंफोरमर ने कहा है कि अभी मैंने पांच परसेंट ही खुलासा किया है और अभी 95 परसेंट खुलासे करने बाकी हैं। मैं मांग करता हूं कि इसकी बड़े लेवल पर जांच होनी चाहिए। जैसे साउथ अफ्रीका में लोगों पर जुल्म करने के लिए ज्यूडीशियल कमिशन बनाया गया था, उसी तरह से हमारे यहां भी होना चाहिए।